



SHRI UMASHANKAR PANDEY

Shri Umashankar Pandey is an eminent social activist and water conservationist from village Jakhani, Banda District, Uttar Pradesh. He played a leading and vibrant role in the construction of India's first water village, with the innovative approach and pioneer of "Khet Par Med, Med Par Ped" program.

2. Born on 05th February, 1971 in highly backward village Jakhni of drought prone Banda district of Uttar Pradesh where there was no school, no electricity and no road. Shri Pandey presented an example of public participation in the Bundelkhand region by connecting the people of the village for ground water conservation. Noticing the youth population migrating to the cities due to unemployment as agriculture failed in his village due to water scarcity, he made a resolution to convert his village, Jakhni into a Jalgram. He started water conservation work of Jakhni from 1st June, 1995 on community basis. Due to his efforts, lot of farmers got benefitted and their income increased drastically

3. With no government aid in hand, Shri Pandey called upon public participation of farmers, youth, unemployed people, men and women of Jakhni village who worked tirelessly and free of cost to construct ridges in farmlands for conserving rainwater and diverting the village waste water to the farms. The collective efforts led to the village being endowed with 33 wells, 25 handpumps, 6 ponds and 2 drains that brim with water throughout the year. 30 years back, the village that observed mass migration is now the first water village of the country, whose water conservation model is being replicated by other villages all across the country.

4. Shri Pandey's innovative method of "Khet Par Med, Med Par Ped" was praised by the Prime Minister Shri Narendra Modi in 'Mann Ki Baat'. The Prime Minister also called upon countrymen to adopt Medbandi through his speech in Man Ki Baat. In the year 2015 and 2016 under the Jal Kranti Abhiyan, Ministry of Jal Shakti, Government of India built 1050 water villages on the Jakhni Model. Due to his innovative way of water conservation, water level in Banda district rose upto 1 meter 34 cm. He also worked at several places in Madhya Pradesh and Gujarat. NITI Aayog, Government of India shared Jakhani as the best example and a successful experiment of traditional water conservation in community basis without government support. Because of its practicality, his model is being adopted across Uttar Pradesh and the nation.

5. Shri Pandey has received many National Awards and International Awards. He was honored by the Ministry of Jal Shakti with the most coveted 'Water Warrior' Award in the 2nd National Water Awards. He also received Rajya Bhujal Award, Jal Praharee, The Water Digest, World Book of Record, Vidya Bhushan Award, State Award and Governor Award and many more.



श्री उमाशंकर पाण्डेय

श्री उमाशंकर पाण्डेय उत्तर प्रदेश के बांदा जिले के जखनी गांव के एक प्रसिद्ध सामाजिक कार्यकर्ता और जल संरक्षणवादी हैं। उन्होंने एक नए दृष्टिकोण के साथ भारत के पहले जल ग्राम के निर्माण में एक अग्रणी और सक्रिय भूमिका निभाई और वह "खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़" कार्यक्रम के अगुआ हैं।

2. 5 फरवरी, 1971 को उत्तर प्रदेश के सूखाग्रस्त बांदा जिले के अत्यंत पिछड़े गांव जखनी में जन्मे श्री पाण्डेय के गांव में न स्कूल था, न बिजली थी और न ही सड़क थी। उन्होंने भूजल संरक्षण के लिए गांव के लोगों को जोड़कर बुंदेलखंड क्षेत्र में जनभागीदारी की मिसाल पेश की। पानी की कमी के कारण उनके गांव में खेती ठप्प हो गई, युवा बेरोजगार हो गए और वे शहर की ओर पलायन करने लगे। इसे देखते हुए, उन्होंने अपने गांव जखनी को जल ग्राम में बदलने का संकल्प लिया। उन्होंने सामुदायिक आधार पर 1 जून 1995 से जखनी में जल संरक्षण कार्य आरंभ किया। उनके प्रयासों से बहुत से किसानों को लाभ हुआ और उनकी आय में खूब वृद्धि हुई।

3. बिना किसी सरकारी सहायता के, श्री पाण्डेय ने जखनी गांव के उन किसानों, युवाओं, बेरोजगारों, पुरुषों और महिलाओं की जन भागीदारी का आह्वान किया, जिन्होंने बारिश के पानी के संरक्षण के लिए मेड़ बनाने और गांव के अपशिष्ट जल को मोड़ने के लिए अथक श्रमदान किया। सामूहिक प्रयासों से गांव में अब 33 कुएं, 25 हैंडपंप, 6 तालाब और 2 नालियां हैं, जिनमें पूरे वर्ष लबालब पानी भरा रहता है। 30 वर्ष पहले जिस गांव से बड़े पैमाने पर पलायन हो रहा था, वह अब देश का पहला जल ग्राम है, जिसका जल संरक्षण मॉडल पूरे देश के अन्य गांवों द्वारा अपनाया जा रहा है।

4. श्री पाण्डेय की "खेत पर मेड़, मेड़ पर पेड़" की अभिनव पद्धति की प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'मन की बात' में प्रशंसा की। प्रधान मंत्री ने 'मन की बात' में अपने सम्बोधन में देशवासियों से मेड़बंदी अपनाने का आह्वान किया। जल क्रांति अभियान के तहत वर्ष 2015 और 2016 में, जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार ने जखनी मॉडल पर 1050 जल ग्रामों का निर्माण किया। जल संरक्षण के उनके अभिनव तरीके से बांदा जिले में जल स्तर 1 मीटर 34 सेमी बढ़ गया। उन्होंने मध्य प्रदेश और गुजरात में भी कई स्थानों पर काम किया। नीति आयोग, भारत सरकार ने जखनी को सरकारी सहयोग के बिना सामुदायिक आधार पर पारंपरिक जल संरक्षण के सबसे अच्छे उदाहरण और सफल प्रयोग के रूप में साझा किया। उनके मॉडल को व्यावहारिकता के कारण उत्तर प्रदेश और देश भर में अपनाया जा रहा है।

5. श्री पाण्डेय को कई राष्ट्रीय पुरस्कार और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त हुए हैं। उन्हें दूसरे राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में जल शक्ति मंत्रालय द्वारा सबसे प्रतिष्ठित 'वॉटर वारीयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें राज्य भूजल पुरस्कार, जल प्रहरी, द वाटर डाइजेस्ट, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड, विद्या भूषण पुरस्कार, राज्य पुरस्कार और राज्यपाल पुरस्कार आदि प्रदान किए गए हैं।